

दिल्ली कांग्रेस ने की पुलिस की शिकायत

■ प्रस, नई दिल्ली : दिल्ली कांग्रेस के विधिक एवं मानव अधिकार विभाग ने रोहिणी निवासी 22 वर्षीय अमन बैसला की मौत को लेकर पुलिस द्वारा लापरवाही बरतने पर राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग में शिकायत की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विधिक एवं मानव अधिकार विभाग के चैयरमेन एडवोकेट सुनील कुमार ने किया। प्रदेश अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है।

आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष याचिका

नई दिल्ली (एसएनबी)। रोहिणी के युवक अमन बैसला (22) के आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई न करने को लेकर कांग्रेस पार्टी के विधिक एवं मानव अधिकार विभाग ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से शिकायत की है। वहीं इस मामले की जांच का जिम्मा दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को सौंपने की मांग की है। इस बाबत मानवाधिकार आयोग से शिकायत पार्टी के विधिक एवं मानव अधिकार विभाग के अध्यक्ष अधिवक्ता सुनील कुमार ने किया है।

सुनील कुमार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को दी गई शिकायत में कहा है कि अमन बैसला ने अपनी जान देने से पहले एक वीडियो बनाई थी, जिसमें कुछ नामी गामी गायकों व उनके सहायकों के नाम थे, जिन्होंने अमन बैसला को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया। उन्होंने कहा कि अमन बैसला ने 29 सितम्बर को आत्महत्या की परंतु 4 अक्टूबर को शाहबाद डेयरी पुलिस स्टेशन ने

एफआईआर दर्ज की और अभी तक जिन हस्तियों के नाम एफआईआर में दर्ज हैं उनको गिरफ्तार नहीं किया गया है। शिकायत में कहा गया है कि अमन बैसला मानिसक व शारीरिक रूप से स्वस्थ था और उसके द्वारा आत्महत्या किए जाना यह दर्शाता है कि उसको एफआईआर में नामजद सेलिब्रिटी लोगों ने मरने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने कहा कि बड़े दुर्भाग्य की

बात है कि पुलिस सेलिब्रिटी तथा आम लोगों के हादसों में दौहरा मापदंड अपनाती है।

अधिवक्ता सुनील कुमार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सामने अपनी शिकायत में मांग की कि तुरंत प्रभाव से दिल्ली के पुलिस आयुक्त को आदेश किया जाए कि अमन बैसला के हादसे में हुई एफआईआर नम्बर 0508, थाना शाहबाद डेयरी, जिला उत्तरी बाहरी में चल रही जांच को दिल्ली पुलिस के अपराध शाखा को सौंपा जाए, तथा मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

**मामले की जांच का जिम्मा
दिल्ली पुलिस की अपराध
शाखा को सौंपने की मांग**